THE MINISTER OF LABOUR AND REHABILITATION (SHRI RAGHUNATHA REDDY): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

सरकार द्वारा मैसर्स इंडियन कापर कारपोरेशन लिमिटेड को अधिकार में लेना

*636. **श्री मूलचन्द डागा :** क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने 20 मार्च, 1972 से मैसर्स इंडियन कापर कारपोरेशन लिमिटेड को अपने अधिकार में ले लिया है;

(ख) यदि हां, तो सरकार ने उस पर कितनी पूंजी लगाई है; और

(ग) सरकार ने उक्त कम्पनी को कितनी क्षतिपूर्ति दी है अथवा देने का विचार है और यह क्षतिपूर्ति किस रूप में दी गई है अथवा देने का विचार है ?

इस्पात और खान मंत्री (श्री एस० मोहन कुमारमंगलम) : (क) भारतीय ताम्र निगम लिमिटेड के उपक्रम का 10 मार्च, 1972 से प्रबन्ध ग्रहण किया गया था । भारतीय ताम्र निगम (उपक्रम का अर्जन) अधिनियम, 1972 द्वारा 21–9–1972 से भारतीय ताम्र निगम के उपक्रम का अर्जन किया गया था । 21–9–1972 से भारतीय ताम्र निगम के उपक्रम की आस्तियों और दायित्वों को हिन्दुस्तान ताम्र निगम को अन्तरित किया गया है ।

(ख) 1972–73 के दौरान, पूंजी व्यय की अनुमानित राशि 169 लाख रुपये है । इसके अतिरिक्त, साधारण अनुरक्षण और प्रतिस्थापन संक्रियाओं पर 100 लाख रुपये व्यय किये गये हैं । सरकार को सुरदा और पाथागोरा खानों इत्यादि के लिए विस्तारण प्रायोजनाएं प्राप्त हुई हैं । यह प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है ।

(ग) मैसर्स भारतीय ताम्र निगम लिमिटेड को 10–3–72 से 20–9–72 तक की कालावधि के लिए 75,000 रु० प्रति मास की दर से 4,78,225 रुपयों की राशि संदत्त की गई थी । भारतीय ताम्र निगम (उपक्रम का अर्जन) अधिनियम, 1972 की धारा 11 की उपधारा (1) के अनुसार, मैसर्स भारतीय ताम्र निगम लिमिटेड को उनके उपक्रम के अर्जन के लिए 7.5 करोड़ रुपयों की नगद राशि संदत्त की गई थी ।

Production of Cossipore Ordnance Factory and Ichapore Gun Factory

*637. SHRI PRIYA RANJAN DAS MUNSI: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) whether his Ministry propose to produce other products of Engineering goods apart from the defence products in Cossipore Ordnance Factory/ Ichapore Gun Factory; and

(b) if so, the outlines thereof?

THE MINISTER OF STATE (DEFENCE PRODUCTION) IN THE MINISTRY OF DEFENCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA): (a) and (b). Yes, Sir. It has been the policy of the Government to utilise spare capacities available in the Ordnance Factories after meeting the demands of the Defence Services to produce items for civilian use. In accordance with this policy, Gun & Shell Factory, Cossipore and Rifle Factory Ichapore have already been producing and will continue to produce goods for civil Government departments/undertakings and private civil indentors to the extent feasible.

Rifle Factory, Ichapore is already producing and marketing sporting arms for civil use.

Geneva Disarmament Conference

*638. SHRI C. JANARDHANAN: Will the Minister of EXTERNAL AFFAIRS be pleased to state:

(a) the progress so far made by the 25 Nation Geneva Disarmament Conference;